रामगंजमंडी स्टेशन एवं डाढ़देवी,अलनिया, रावंठा रोड, कँवलपुरा, दरा एवं मोड़क स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का विकास कार्यक्रम में स्पीकर महोदय का सम्बोधन

---

1. एक आम जीवन के लिए भरपेट भोजन, पहनने के लिए कपड़े और रहने के लिए आवास सबसे ज़रूरी होते हैं। इसी के साथ एक आम व्यक्ति जब एक जगह से दूसरी जगह पर जाता है तो रेलवे का बड़ा महत्व होता है। **सस्ती, सरल, सुविधायुक्त और समय पर यात्रा आज भारतीय रेल की पहचान है।** इसलिए रेल को आम लोगों की सवारी कहा जाता है।

2. आज हम रामगंजमंडी स्टेशन डाढ़देवी, अलनिया, रावंठा रोड, कँवलपुरा, दरा औरमोड़क स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विकास के लिए यहाँ सब उपस्थित हुए हैं।

3. कोटा मण्डल के इन स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुविधाओं में शौचालय की व्यवस्था, वेटिंगहॉल में ऐसी की व्यवस्था, बेंचों के साथ छोटेशेड, सर्कुलेटिंगएरिया, एंट्रीगेट, स्टेशन के नाम का बोर्ड आदि प्रबंध किए जाने हैं। इससे इन स्टेशनों पर आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा तो मिलेगी ही, इसके साथ ही आने वाले समय में हमारे कोटा में कई उपयोगी और उन्नत रेलवे स्टेशन तैयार होंगे।

4. देशभर में हमारा कोटा शिक्षा नगरी के रूप में प्रसिद्ध है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए देश के कई राज्यों से यहाँ विद्यार्थी पढ़ने आते हैं। कोटा आने वाले इन स्टूडेंट्स के लिए रेल एक प्रमुख माध्यम है। इसलिए मैं समझता हूँ कि **कोटा में जितने उन्नत रेलवे स्टेशन विकसित होंगे, यहाँ आने-जाने वाले लोगों को जितनी सुविधाएं मिलेंगी; इससे हमारे कोटा का विकास होगा, यहाँ समृद्धि आएगी।**

5. इसी सोच के साथ मैं लगातार कोटा में रेलवे के विकास के लिए प्रयास करता रहा हूँ। अभी 4 – 5 महीने पहले हमने **सोगरियारेलवे स्टेशन** में कई उन्नत सुविधाओं का लोकार्पण किया था। रामगंजमंडी, डाढ़देवी, अलनिया, रावंठा रोड, कँवलपुरा, दरा औरमोड़क सहित कोटा-बूंदी क्षेत्र में कई छोटे-बड़े स्टेशनों के विकास को लेकर मैं पिछले काफ़ी समय से सक्रिय हूँ। समय-समय पर लगातार मॉनिटरिंग कर अधिकारियों को निर्देश दिए ओर केन्द्रीय मंत्री महोदय से भी इस विषय पर बात करता रहा हूँ।

6. मेरा मानना है कि रेलवे के विकास से आम जनजीवन को बड़ी सहूलियत मिलती है। क्योंकि दूर की यात्राओं के लिए आज भी ज्यादातर लोग ट्रेन को सबसे सुगम साधन मानते हैं और ट्रेन से ही सफर करते हैं।

7. हम अपने आसपास भी देखते हैं कि लोग **जब तीर्थयात्राओं पर जाते हैं, माता वैष्णो देवी के जाते हैं... तब ट्रेन से जाते हैं।**भारतीय रेल सिर्फ एक स्थान से दूसरे स्थान को जोड़ने का साधन नहीं है, बल्कि ये

हमारे देश की संस्कृति, रीति - परम्परा और पर्यटन को जोड़ने का माध्यम भी है।रेल में बैठकर कोटा से कन्याकुमारी जाइए, दूर किसी स्थान पर जाइए। आपको कई प्रदेशों, संस्कृति के लोग मिलते जाएंगे। यात्रा के दौरान हीआपसी बातचीत में आप बहुत कुछ सीखते रहेंगे। भारतीय रेल इस **प्रेक्टिकल लर्निंग** का भी उत्कृष्ट माध्यम है। भारतीय रेल भारत की संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

8. इसलिए रेलवे में जब सुविधाओं का विकास होता है तो उसका प्रभाव सीधे आम लोगों पर पड़ता है। साधारण लोग जो रेलवे के सिटिंग और स्लीपर क्लास में यात्रा करते हैं उनकी यात्रा सुगम होती है तो ये उनके लिए एक अच्छा अनुभव होता है। रेलवे स्टेशन पर जब बैठने के लिए ठीक से बेंचों की व्यवस्था होती है तो उससे ट्रेन के इंतजार में आसानी होती है। टिन शेड अच्छे से होते हैं तो धूप, सर्दी, गर्मी, बारिश में परेशानी नहीं होती। और तो और आप ये देखिए कि जब रेलवे स्टेशन पर लाइटिंग की अच्छी व्यवस्था होती है तो महिलाओं, बच्चों के लिए उससे सुरक्षा अधिक होती है।

9. मैंने भी देश के बहुत से हिस्सों में रेल में बैठकर सफ़र किया है। **आज भी मैं जब भी दिल्ली से कोटा आता हूँ और यहाँ से जाता हूँ तो रेल से ही जाता हूँ।**पहले जब कोटा से जयपुर और जयपुर से कोटा जाना-आना होता था तब भी रेल में यात्रा करता था। शुरुआत से ही ये जो रेल के सफ़र का अनुभव रहा है, तो मुझे पता है कि रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को क्या-क्या सुविधाएं ज़रूरी होती है। रेलवे की कमियों, इसमें क्या सुधार हो सकता है, यात्रियों को क्या उन्नत सुविधाएं मिलनी चाहिए, इस पर मेराध्यान रहा है।

10. आज हम देख रहे हैं कि समय के हिसाब से भारतीय रेल के इन्फ्रास्ट्रक्चर में तेजी से बदलाव आ रहा है। हमारी रेलवे विकसित और आधुनिक तो हो ही रही है, इसी के साथ रेलवे में सुरक्षा के इंतजाम भी अब अधिक उन्नत किए जा रहे हैं। अभी हाल ही में स्वदेशी **'कवच'सुरक्षा प्रणाली** रेलवे में शुरू की गई है। रेल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ये प्रणाली लाई गई है। इससे रेल का सफर अधिक सुरक्षित हुआ है।

11. जैसे जैसे विज्ञान और टेक्नोलॉजी का युग विस्तार कर रहा है, हमारे रेलवे में भी नई तकनीक आई है। आधुनिक और पैसेंजर फ्रेंडली कोच तैयार हुए हैं। रेलवे स्टेशनों का स्वरूप बदला है। आज हमारे देश में एयरपोर्ट की तरह मल्टी-मॉडल रेलवे स्टेशन भी बनकर तैयार हो रहे हैं। नॉर्थ-ईस्ट में जहाँ सड़क बनाने में भी पहले कई कठिनाइयाँ थीं, आज वहाँ रेलवे का नेटवर्क बिछ गया है।हर वर्ष हमारे देश में करीब ढाई हज़ार किलोमीटर का रेलवे ट्रैक तैयार हो रहा है।

12. इसी के साथ अभी हम देखते हैं कि भारत सरकार **'पीएम गतिशक्ति योजना'** लेकर आई है। इस योजना से इन्फ्रास्ट्रक्चरडवलपमेंटपर तेजी से काम किया जाना है। आने वाले समय में हम देखेंगे कि एयरपोर्ट

से रेलवे स्टेशन, हाईवे और बस स्टैन्ड तक सब कुछ आपस में कनेक्टेड होगा। ये सब **पीएम गतिशक्ति योजना** से देश में संभव बनाया जा रहा है।

13. प्रिय साथियों, मुझे पता नहीं कि रेलवे के विकास को लेकर आपके क्या विचार हैं? मगर मेरे लिए यह मात्र एक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नहीं है।मेरे लिए रेलवे के विकास का अर्थ है, साधारण जन की तरक्की। मुझे लगता है कि हर एक नई रेल के साथ आमजन की सुविधा में भी बढ़ोतरी होती है।

14. मेरा विश्वास है कि भारतीय रेल में वो क्षमता है कि वो देश की इकॉनामी ट्रांसफॉर्म कर सकती है। लेकिन इसके लिए पहले रेलवे का ट्रांसफॉर्मेशन करना पडेगा।

15. प्रिय मित्रों, आज एक जनप्रतिनिधि की भूमिका में क्षेत्रवासियों के लिए अच्छे से अच्छा क्या हो सकता है। किस तरह हाड़ौती अंचल में विकास एक मार्गी ना होकर, सभी दिशाओं से विकास हो,किस तरह छोटे रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों के लिए अनेक प्रकार की सुविधाओं का विस्तार हो,इन पर मेरा विशेष फोकस रहता है। कोटा-बूंदी का आमजन भी मेरे लिए मेरे परिवार की तरह है। और मेरे इस परिवार के सदस्य की एक-एक जरूरत का ध्यान रखना, आपके लिए सुविधाओं का विकास करना मैं अपनी ज़िम्मेदारी समझता हूँ। दिल्ली में चाहे कितनी ही व्यस्तता क्यों न हो! जब क्षेत्र के लिए किसी योजना या यहाँ पर उन्नति की बात आती है, मैं पूरे मन से कोटा-बूंदी क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास करता हूँ।

16. आज रामगंजमंडी स्टेशन के साथ ही कोटा मंडल के डाढ़देवी, अलनिया, रावंठा रोड, कँवलपुरा, दरा औरमोड़क स्टेशन पर भी यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए शौचालय ब्लॉक का निर्माण,और वाटर बूथ वछोटे शेड का प्रावधान किया जाना है। इसी के साथ यहाँ यात्रियों को आराम की सुविधा के लिए वेटिंगहॉल, प्लेटफ़ॉर्म की चौड़ाई बढ़ाने जैसे काम भी किए जाएंगे। स्टेशन पर लाइट व्यवस्था में भी सुधार किया जाएगा। पहले कोटा में एक प्रमुख कोटा जंक्शन ही होता था, जहाँ ट्रेन रुकती थी, अब हम देख रहे हैं कि धीरे-धीरे यह संख्या बढ़ेगी। जब इन स्टेशनों पर बेहतर सुविधाएं होंगी तो दूसरे राज्यों से आने वाली अधिक से अधिक ट्रेन यहाँ ठहरने लगेगी। इससे आसपास बसावट तो होगी ही लेकिन साथ में तेजी से विकास भी होगा।

17. कोटा में शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सड़क, परिवहन रेलवे के विकास के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ। यहाँ के व्यक्ति-व्यक्ति की समस्याओं का समाधान कर पाऊँ, हर एक जरुरतमन्द के काम आ पाऊँ, इसके लिए मेरा प्रयास रहता है। मेरा सपना है कि आज देश और दुनिया के बड़े से बड़े शहर में जो सुविधा मिलती हो, वो सुविधा कोटा में भी मिल सके। यहाँ बड़े उच्च शिक्षण संस्थान हो, यहाँ की स्वास्थ्य सेवाएं बहुत उन्नत और आधुनिक हो, कोटा में एयरपोर्ट का जल्द निर्माण हो, ऐसे कई काम है; जिनके लिए मैं लगातार प्रयास कर रहा

हूँ। मुझे पूरा यकीन है कि हमारे सबके प्रयासों से कोटा की समृद्धि दिन दोगुनी-रात चौगुनी की रफ्तार से बढ़ती रहेगी।

18. आप सबका साथ और आशीर्वाद मुझे मिलता रहे। आप सभी को नमस्कार करता हूँ। मैं रेल मंत्रालय के माननीय मंत्री महोदय और अधिकारियों को भी धन्यवाद करता हूँ।

धन्यवाद, जय हिन्द।